# S-367

Total Pages : 2 Roll No. .....

# DVK-102

## कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप नित्यकर्म व देवपूजन

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

**Time : 2 Hours]** **Max. Marks : 100**

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

### ( खण्ड-क )

### ( दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. व्रत एवं पर्वों का उल्लेख करते हुए उसकी वैज्ञानिकता का विश्लेषण कीजिए।

2. मानव जीवन में संस्कारों की क्या आवश्यकता है? विस्तृत लेखन करें।

3. गणपति पूजन का सविधि वर्णन कीजिए।

4. दुर्गा जी की आरती एवं स्तुति गान लिखिए।

5. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कर्मकाण्ड की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

## ( खण्ड-ख )

## ( लघु उत्तरों वाले प्रश्न )

**नोट :** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. पूजन से आप क्या समझते हैं? पूजन क्रम विधि का उल्लेख करें।

2. विवाह का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

3. उपनयन क्या है?

4. श्री लक्ष्मी पूजन का संक्षिप्त उल्लेख करें।

5. सत्यनारायण व्रत कथा का मूल तत्व को समझाते हुए लिखिए।

6. कलश स्थापन विधि का प्रतिपादन करें।

7. वैदिक एवं पौराणिक मन्त्रों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

8. श्री लक्ष्मी जी की स्तुति का वर्णन कीजिए।